Government of India
Ministry of Earth Sciences
India Meteorological Department
Meteorological Centre Jaipur

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग
मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर

प्रैस विज्ञप्ति

दिनांक: 01 अप्रैल, 2025

विषय: आगामी ग्रीष्म ऋतु (अप्रैल से जून) 2025 के लिए अद्यतन ऋतुनिष्ट तापमान आउटलुक।

1. **ग्रीष्म ऋतु (अप्रैल से जून):**

- आगामी ग्रीष्म ऋतु के दौरान (अप्रैल से जून) राज्य के ज़्यादातर भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक व राज्य के दक्षिणी व पश्चिमी भागों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान दर्ज होने की संभावना है।

- ग्रीष्म ऋतु-2025 के दौरान पश्चिमी, उत्तर-पश्चिमी व दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में सामान्य से 2 से 5 दिन अधिक हीट वेव दिवस दर्ज होने की संभावना है।

2. **अप्रैल माह:**

- अप्रैल माह के दौरान राज्य के दक्षिणी भागों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने, जबकि राज्य के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान दर्ज होने की संभावना है।

- अप्रैल माह के दौरान दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान को छोड़कर शेष कुछ भागों में सामान्य व सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है। इस दौरान सामान्य के आसपास हीट वेव दिवसों की संख्या दर्ज होने की संभावना है।

- अप्रैल 2025 के दौरान राज्य के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान व न्यूनतम तापमान रहने की संभावना है।

विस्तृत विवरण हेतु कृपया निम्न लिंक पर क्लिक करें
https://internal.imd.gov.in/press_release/20250331_pr_3852.pdf

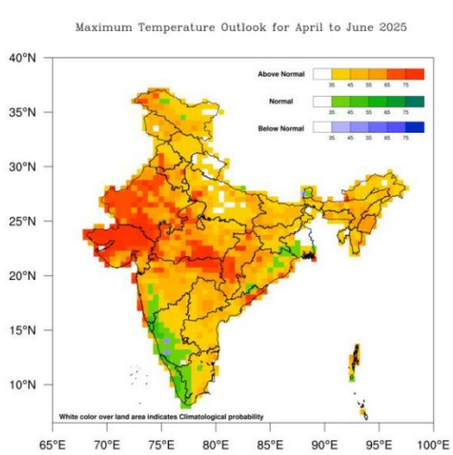

चित्र 1ए. अप्रैल से जून 2025 के लिए अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।

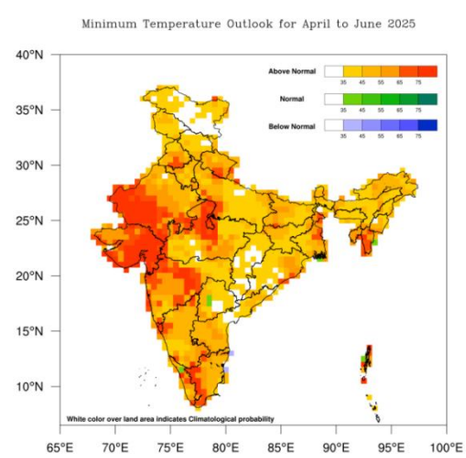

चित्र 1बी. अप्रैल से जून 2025 के लिए न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।

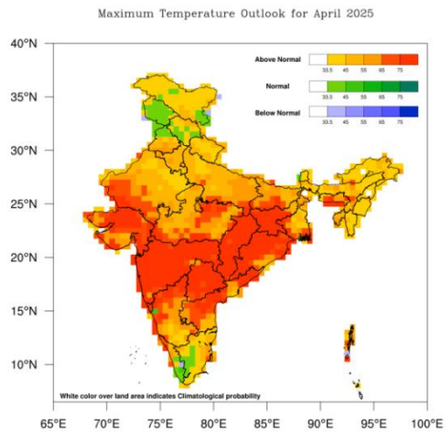

चित्र 2ए. अप्रैल 2025 के लिए अधिकतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।

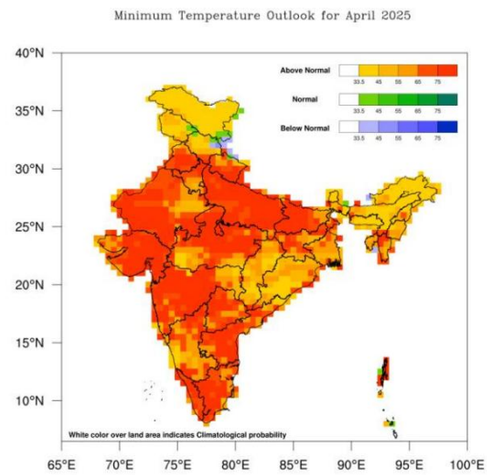

चित्र 2बी. अप्रैल 2025 के लिए न्यूनतम तापमान का संभावित पूर्वानुमान।

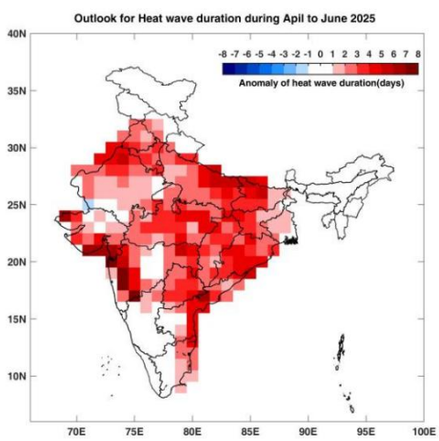

चित्र 3ए. अप्रैल से जून (AMJ) 2025 के सीज़न के लिए हीट वेव अवधि (दिनों में) की विसंगति।

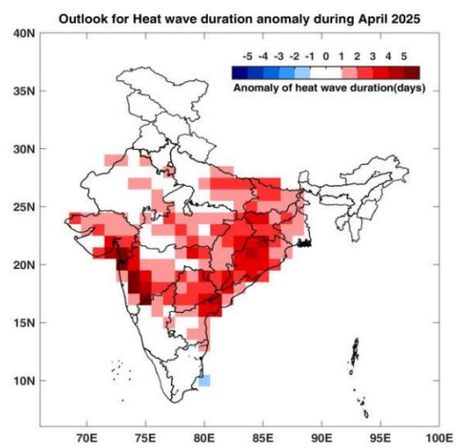

चित्र 3बी. अप्रैल 2025 के लिए हीट वेव अवधि (दिनों में) की विसंगति।

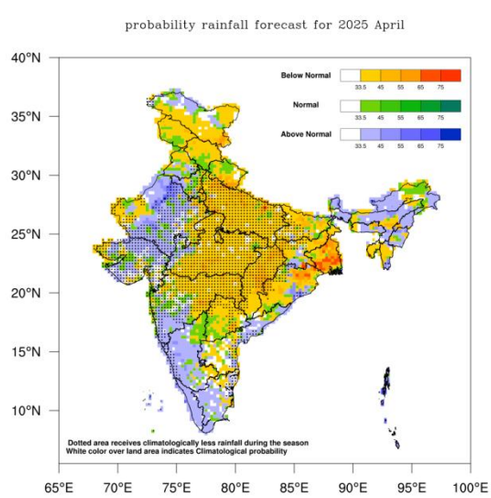

चित्र 4. अप्रैल 2025 के दौरान भारत में होने वाली वर्षा के लिए टर्साइल श्रेणियों* (सामान्य से नीचे, सामान्य और सामान्य से अधिक) का संभाव्यता पूर्वानुमान। यह आंकड़ा सबसे संभावित श्रेणियों के साथ-साथ उनकी संभावनाओं को भी दर्शाता है। मानचित्र में दिखाए गए बिंदीदार क्षेत्र में जलवायु विज्ञान की दृष्टि से बहुत कम वर्षा होती है और भूमि के भीतर सफ़ेद रंग के छायांकित क्षेत्र जलवायु विज्ञान की संभावनाओं को दर्शाते हैं। (*टर्साइल श्रेणियों की जलवायु विज्ञान की समान संभावनाएँ हैं, प्रत्येक की 33.33% है)।

पारी अधिकारी

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर